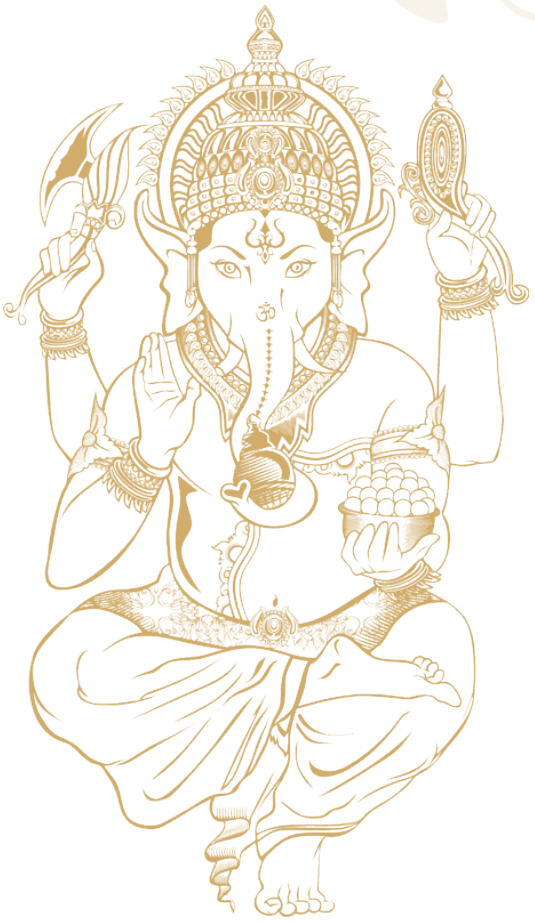

Ms.

Mr.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121294310

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/02/1996	जन्म तिथि	19/11/1999
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 14:30:00	जन्म समय	07:50:00 घंटे
घटी 19:59:10	जन्म समय(घटी)	04:11:23 घटी
India	देश	India
Patna	स्थान	Gopalganj
25:37:00 उत्तर	अक्षांश	26:28:00 उत्तर
85:12:00 पूर्व	रेखांश	84:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:10:48	स्थानिक संस्कार	00:07:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:30:20	सूर्योदय	06:13:58
17:36:33	सूर्यास्त	17:01:05
23:48:17	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:04

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 3वर्ष 3मा 11दि	14:18:26	मिथु	लग्न	वृश्चि	22:24:17	शनि 16वर्ष 3मा 21दि
राहु	24:03:40	मक	सूर्य	वृश्चि	02:26:42	बुध
20/05/2022	24:28:44	सिंह	चंद्र	मीन	05:13:21	10/03/2016
20/05/2040	29:46:28	मक	मंगल	मक	00:40:04	11/03/2033
राहु 31/01/2025	28:40:57	धनु	बुध व	तुला	25:14:27	बुध 07/08/2018
गुरु 26/06/2027	13:45:16	धनु	गुरु व	मेष	02:49:31	केतु 04/08/2019
शनि 02/05/2030	04:08:38	मीन	शुक्र	कन्या	16:59:24	शुक्र 04/06/2022
बुध 19/11/2032	28:58:15	कुंभ	शनि व	मेष	18:51:05	सूर्य 11/04/2023
केतु 07/12/2033	25:00:13	कन्या व	राहु व	कर्क	12:45:06	चन्द्र 09/09/2024
शुक्र 07/12/2036	25:00:13	मीन व	केतु व	मक	12:45:06	मंगल 06/09/2025
सूर्य 01/11/2037	07:43:10	मक	हर्ष	मक	19:19:01	राहु 26/03/2028
चन्द्र 02/05/2039	02:16:19	मक	नेप	मक	08:05:48	गुरु 01/07/2030
मंगल 20/05/2040	09:05:22	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	15:57:11	शनि 11/03/2033

लग्न-चलित

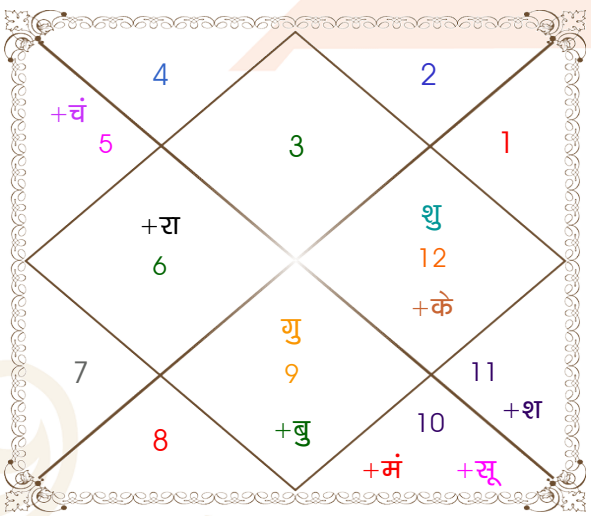

लग्न-चलित

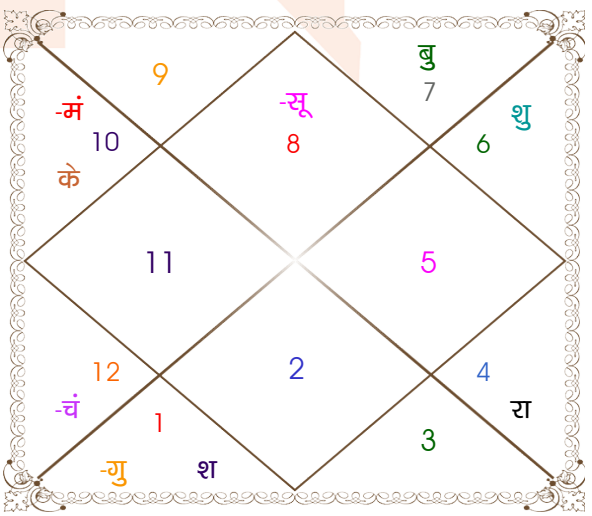

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Ms. का वर्ग श्वान है तथा Mr. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ms. और Mr. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ms. तथा Mr. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।